तत्व सम्मिलित रहते हैं, देश में विक्री के लिये भी उपलब्ध थे ।

राजस्थान में भूखे से मृत्यु

248. **श्री रणजीत सिंह :**
श्री मीठा लाल मीना :

क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले महीने प्रधान मंत्री को प्रस्तुत किये गये ज्ञापन में यह माँग की गई है कि राजस्थान में अकाल से मृत्यु की घटनाओं तथा राहत कार्यों में व्याप्त भ्रष्टाचार के बारे में केन्द्र द्वारा जाँच की जाय और राजस्थान नहर को राष्ट्रीय कार्यों में सम्मिलित किया जाये ; और

(ख) यदि हाँ, तो अब तक इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी हाँ ।

(ख) ज्ञापन की एक प्रति मुख्य मंत्री, राजस्थान को आवश्यक कार्यवाही हेतु भेजी गई थी । राज्य सरकार से यह विशेषतौर पर कहा गया था कि वे यह सुनिश्चित करें कि कमी से प्रभावित क्षेत्रों में मौतों को रोकने और भ्रष्टाचार उन्मूलन के उद्देश्य से सहायता कार्यों में आये भ्रष्टाचार के संबंध में शिकायतों की जाँच करने के लिए हर समय सम्भव कार्य किया जाता है । राजस्थान नहर प्रायोजना की माँग को सिंचाई तथा शक्ति मन्त्रालय को विचारार्थ भेज दिया गया था ।

International Exchange of Newspapers

*249. SHRI S. K. TAPURIAH : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING AND COMMUNICATIONS be pleased to state :

(a) whether Government propose to have a scheme for the international exchange of newspapers ; and

(b) if so, the steps taken in this direction ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING AND IN THE DEPARTMENT OF COMMUNICATIONS (SHRI I. K. GUJRAL) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

दिल्ली दुग्ध योजना द्वारा वितरित किये जाने वाले दूध की सप्लाई में सुधार

250. **श्री शिव कुमार शास्त्री** : क्या **खाद्य तथा कृषि** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली दुग्ध संभरण योजना दिल्ली की दूध की आवश्यकता को पूरा करने में असमर्थ रही है ;

(ख) यदि हाँ, तो स्थिति में सुधार करने के लिये क्या कार्यवाही करने का प्रस्ताव है ; और

(ग) दिल्ली की दूध की समस्त आवश्यकताएँ कब तक पूरी हो सकेंगी ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) : (क) जी हाँ । वर्ष 1964 में विशेषज्ञ दल द्वारा अनुमानित कुल दूध की आवश्यकता प्रतिदिन लगभग 5 लाख लिटर की तुलना में दिल्ली दुग्ध योजना प्रतिदिन 2,67,000 लिटर दूध का वितरण करती है । तब से शहर की दूध की आवश्यकता बढ़ जाने की आशा है और वह मोटे तौर से लगभग 6 लाख लिटर का अनुमान किया गया है । इस प्रकार दिल्ली दुग्ध योजना इस समय शहर की कुल आवश्यकता का लगभग 45 प्रतिशत दूध का संभरण करती है ।

(ख) स्थिति को सुधारने के लिए दिल्ली